विभिन्न कारणों से रद्द 8 जोड़ी गाड़ियों को भी दोबारा चलाया जायेगा ।

नसीराबाद-बूंदी सम्पर्क

1311. **श्री भगवान देव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पता है कि ब्रिटिश शासन काल के दौरान नसीराबाद तथा बूंदी के बीच जिला अजमेर (राजस्थान) में बरास्ता सरवर, केकारी, देवोली तक एक अस्थायी रेल लाइन बिछायी गई थी जिस को बाद में एक स्थायी लाइन में बदला जाना था;

(ख) क्या सरकार इस लाइन को जो अभी भी अस्थायी है, स्थायी लाइन में बदलेगी जिससे कि इस पिछड़े क्षेत्र का विकास हो सके;

(ग) यदि हां, तो इस लाइन को स्थाई लाइन में कब तक बदला जायेगा; और

(घ) यदि नहीं, तो इसमें क्या दिक्कत अनुभव की जा रही है ?

रेल मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) इतने समय बाद यह बताना संभव नहीं है कि नसीराबाद और बूंदी के बीच कोई अस्थायी रेलवे लाइन थी ।

(ख) और (ग). इस समय बूंदी के रास्ते कोटा को नसीराबाद से जोड़ने वाली कोई रेलवे लाइन नहीं है और न ही इन दोनों स्थानों के बीच कोई लाइन बिछाने का प्रस्ताव है ।

Chinese invitation to Tibetans to visit their Homeland

1312. SHRI S. M. KRISHNA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some Western countries are helping for the contact between the Tibetan exiles and the Chinese;

(b) whether some Tibetan exiles have already visited Peking and Tibet;

(c) if so, whether Government have been apprised of their impressions; and

(d) whether any invitations to visit their homeland have been extended by the Chinese Government direct to the Dalai Lama's Headquarters or through the Government of India?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) Government are not aware of such efforts.

(b) and (c). Delegations made up of Tibetans resident in India have visited China including Tibet. They have informed us that they had gone in response to invitations and appeals from the Government of China.

(d) As an act of courtesy, a broad and general picture of impressions gained by the first delegation were given to the Government of India.

हीरा मिल, उज्जैन द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत जमा कराई गई धनराशि

1313. **श्री निहाल सिंह:** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हीरा मिला, उज्जैन (मध्य प्रदेश) द्वारा जनवरी, 1977 से मई 1980 के भीतर कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत कितनी धनराशि जमा कराई गई;

(ख) इस बारे में उन की ओर अभी कितनी धनराशि बकाया है; और

(ग) अब तक उसकी वसूली न किये जाने के क्या कारण हैं?

श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री टी. अंजैया): (क) और (ख). कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने सूचित किया है कि 48,35,800/-रुपये की धनराशि जमा कराई गई है और कोई राशि बकाया नहीं है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।